सिन्धु लिपि से ब्राह्मी लिपि का विकास

DECIPHERMENT OF INDUS SCRIPT:

Discovering the Indus Script by retracing Brahmi(Medical Seals)

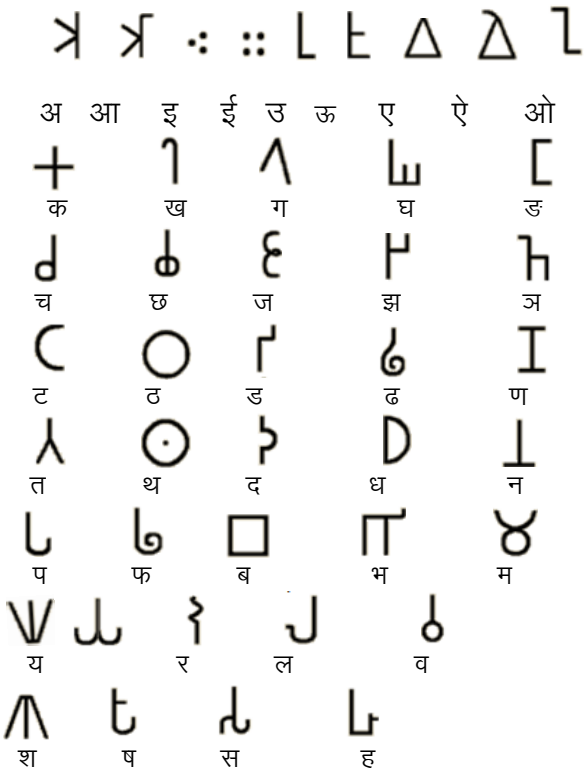

डा0सोमेश चन्द्र श्रीवास्तव लखनऊ

मौलिक प्रकाशन
सी 1 – 302 आकाश एन्क्लेव
सेक्टर 1 ए वृन्दावन परियोजना लखनऊ
226014

मूल्य रु0.500

भाग 8 चिकित्सा मुद्रायें

Volume 8 Medical Seals

© Copyright : L-73381/2018

प्रकाशन तिथि प्रथम संस्करण 01-06-2017

Medical Seals
चिकित्सा मुद्रायें

1 / 15

कितः

(चिकित्सा करना)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह मुद्रा कलेवरं में इ की स्वरलिपि के साथ तुलाधर एवं हंडिका के संयुक्ताक्षर तः से मिल कर कितः शब्द का निर्माण करती है जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है चिकित्सा करना।जिससे यह प्रतीत होता है कि यह किसी चिकित्साकेन्द्र की मुद्रा है।

This seal from mohan Jo Daro reads human sign with vowel i and joint letter of bearer sign with jar sign creates word kitah in samskrit it means to heal. Probably this is seal of medical centre.

2 / 315

सूरिकिः

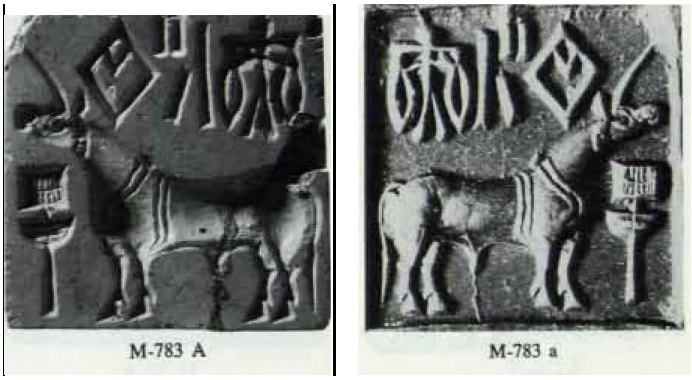

सूरिकि

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्,इ की मात्रा के साथ रज्जुः,इ की मात्रा के साथ कलेवरं, अन्त में हंडिकाः से सूरिकिः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है चिकित्सा विद्वान, चिकित्सक।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u ,rope sign with vowel i, human sign with vowel i, ending with jar sign create word surikih which means “doctor or sage of medicine” in samskrita.

3 / 124

सटकितः

चिकित्सा प्रदर्शन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में सम्बाधम् के चित्रलेख के पश्चात टंकः इ की स्वरलिपि के साथ कलेवरं अन्त में तुलाधरः एवं हंडिका के संयुक्ताक्षर से मिलकर सटकितः शब्द निर्मित होता है जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है चिकित्सा प्रदर्शन। यह सम्भवतः किसी चिकित्सा केन्द्र की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro depicts hieroglyph for sambadham followed by tankah then kalevaram with vowel ii ending with joint letter of tuladharah and handikah creating word satakitah which in samskrit means medical management. Probably this seal belongs to medical centre.

4 / 444 ओषः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ अंकुशः, सम्बाधम् , अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर ओषः(ओषः) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रदाह।

This seal from Mohan Jo Daro reads as goad sign with vowel u, vulva sign ending with jar sign create word oshah which mean "inflamation" in samskrita.

5 / 260

ऋकिः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ कलेवरं, अन्त में हंडिकाः से ऋकिः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है घाव।

This seal from Mohan Jo Daro reads rope sign with vowel i, human sign with vowel i ending with jar sign create word rikih which means "wound" in samskrita.

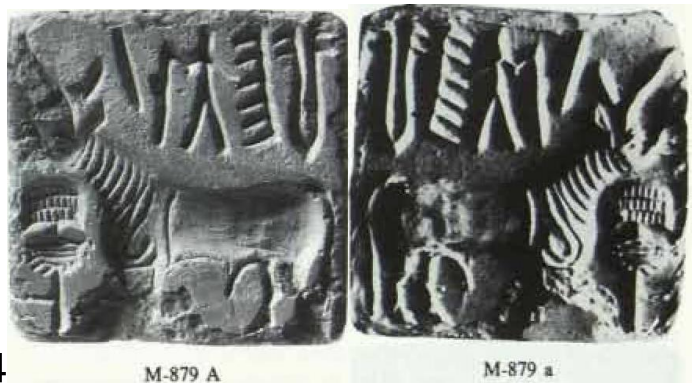

6 / 374

ऋकिणः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ कलेवरम्, निर्दात्रं, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर ऋकिणः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है घाव ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign with vowel i, human sign with vowel i, rake sign , ending with jar sign create word " rikinah" which mean "wound" in samskrita

7 / 361

चरेहे ऋकाः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः,ए की मात्रा के साथ रज्जुः, ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, इ की मात्रा के साथ रज्जुः, आ की मात्रा के साथ कलेवरम्, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चरेहे ऋकाः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ये घायल जीव जन्तु ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah, rope sign with vowel e, jar sign with vowel e,rope sign with vowel i, human sign with vowel aa ending with jar sign create word " charehe rikah" which mean " injured animals" in samskrita

8 / 371

नधिकहेऋकिः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में निबन्धः, इ की मात्रा के साथ धन्वः, कलेवरम्,ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, इ की मात्रा के साथ रज्जुः, इ की मात्रा के साथ कलेवरम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर नधिकहेऋकिः(न,सम+अधिकहे, पूर्ण+ऋकिः,घाव) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पूर्ण घाव ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rake sign, bow sign with vowel i, human sign, jar sign with vowel e, rope sign with vowel i, human sign with vowel i, ending with jar sign create word " nadhikherikih" which mean "healed wounds" in samskrita.

9 / 262

र शट

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः शंखम् अन्त में टंकः से र शट(रः,अग्नि+शट,अम्ल) शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अम्लाग्नि।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign conch sign ending with axe sign create word ra shata which means "acidity" in samskrita.

10 / 283 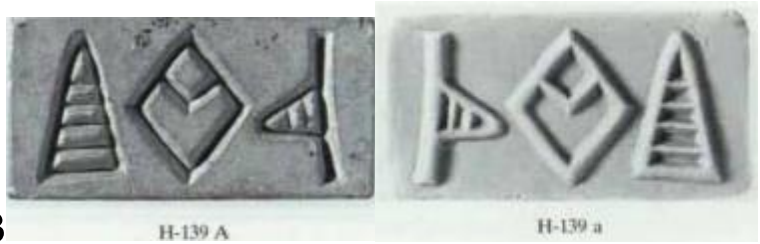

गसट

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः के बाद सम्बाधम्, अन्त में टंकः से ग सट शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ मैथुनेच्छा का प्रदर्शन है।

This seal from Harappa reads as hill sign,vulva sign ending with axe sign create word ga sat which means " exhibition of lust " in samskrita.

11/21

रगसट

इस मुद्रा में रज्जु के चित्रलेख एक खड़ी रेखा के बाद गिरि, सम्बाधम् अन्त में टंकः के चित्रलेख मिलाकर रगसट शब्द का निर्माण करती है जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है प्रेमपूर्ण कामेच्छा का प्रदर्शन(रः,प्रेम+गः,मैथुन+सट,प्रदर्शन)।

This four letter seal has rope sign, hill sign, vulva sign ending in axe sign jointly read as ragsat which means expression of lustful love in samskrita.

12/325 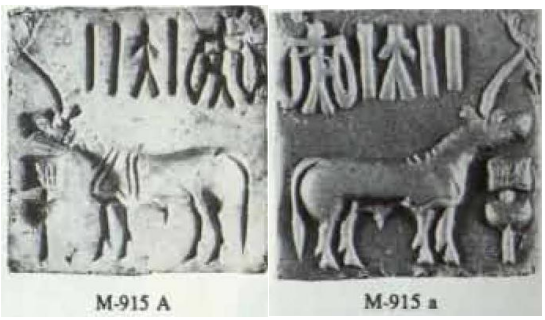

र कृति

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः के चित्रलेख के बाद रज्जुः के चित्रलेख के मध्य कलेवरं अन्त में इ की मात्रा के साथ तुलाधरः के चित्रलेख मिलकर र कृति शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रेम जन्य है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign followed by human sign amidst rope sign ending with bearer sign with vowel i, create word ra kriti which means "created with love" in samskrita.

13 / 327

सूष्य

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के बाद सम्बाधम् अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर सूष्य शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्रसवोन्मुखी है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u followed by vulva sign ending with trident sign create word sushya which means “in labour pain” in samskrita.

14 / 396

सूष

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, शंखम् के चित्रलेख मिलकर सूष शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जननी ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for swastika with vowel u , conch sign create word “ sush ” which mean “ mother” in samskrita.

15 / 385 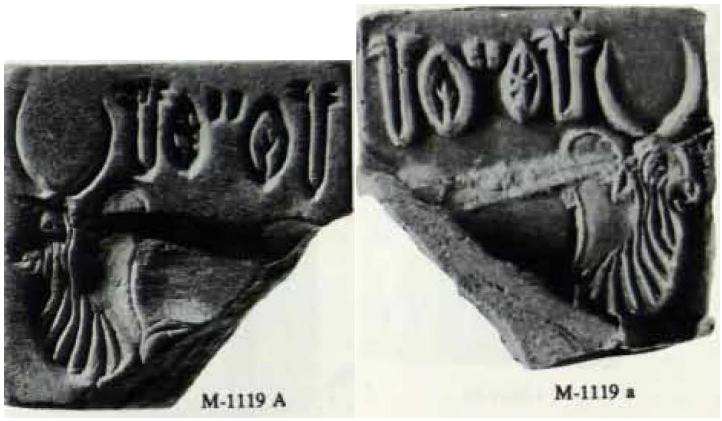

हे शूषः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, शंखम् अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर हे शूषः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हे जननी ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as jar sign with vowel e, hieroglyph for swastika with vowel u , conch sign ending with jar sign create word " he sushah " which mean "o mother" in samskrita.

16 / 397

शूष वयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, शंखम् , व्यजः, यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शूष वयः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जननी की आयु ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u , conch sign, fan sign, trident sign ending with jar sign create word " shush vayah " which mean "age of mother" in samskrita.

17 / 379

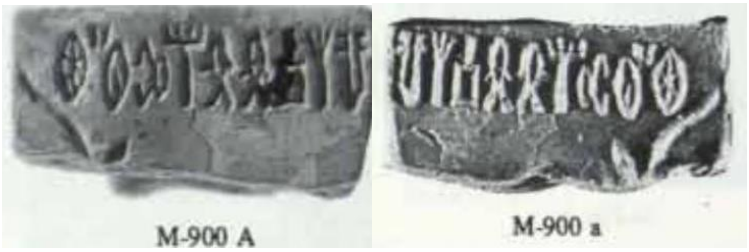

शूष ओम् नमम वयः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ स्वास्तिकः, शंखम्, ओम , निर्दात्रं, मीनम् द्वय, व्यजः,यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सूश ओम् नमम वयः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मातृत्व की आयु को प्रणाम ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as swastikah sign with vowel u, conch sign , hieroglyph for om, rake sign , double fish sign , fan sign, trident sign ending with jar sign create word " sush om namam vayah" which mean "respect the age of motherhood" in samskrita.

18 / 389

शुजननः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, जालकम् , निर्दात्रं द्वय अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शुजननः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छे माता पिता। यह मुद्रा पशु की पूंछ से सिर की ओर पठनीय है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u , window sign, double rake sign ending with jar sign create word “ shujananah ” which mean “good parents” in samskrita. This seal is read from tail to head of the animal in the seal.

.

19 / 147 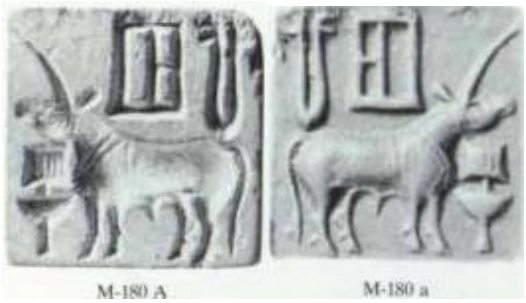

जः(विष;पिता)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में जालकम् के बाद हंडिका के चित्रलेख से मिलकर जः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है विष अथवा पिता।

This seal from Mohan Jo Daro reads as window sign for ja ending with jar sign for visargah speaks jah in samskrit means poison or sire.

20 / 230

चम धिषण

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः मीनम् इ की मात्रा के साथ धन्वः संवरणम् निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर चम धिषणः(चम,पीना+धिषण,प्याला) शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है प्याला भर पीना है।

This seal from Harappa reads as hieroglyph for chandrakah,fish sign, bow sign with vowel i ,hieroglyph for samvarnam ending with rake sign create word cham dhishana which means “drink a peg” in samskrita.

21/18

मारः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में मीन जिसके पेट में एक पड़ी रेखा से मा दो समानान्तर वक्र रेखायें रज्जु से र अन्त में हंडिका से विसर्ग मिलाकर मारः शब्द का निर्माण करती हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है कामदेव एवं धतूरा।इससे यह प्रतीत होता है कि यह धतूरा के व्यापार की मुद्रा है।

This seal from Mohan Jo Daro reads three letters as meenam with a horizontal line in it pronouncing ma followed by two parallel lines depicting ra ending in handikah as visargah jointly reads as maarah मारः which in samskrit means as Eros कामदेव and atropa fruits धतूरा

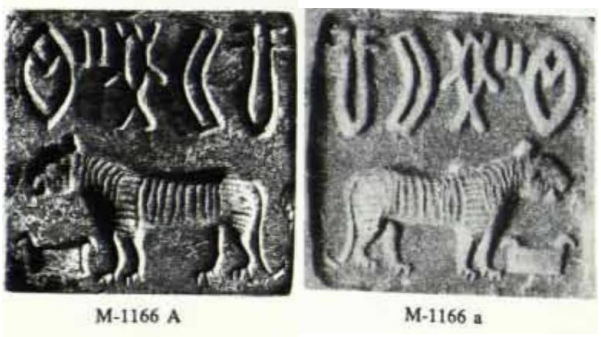

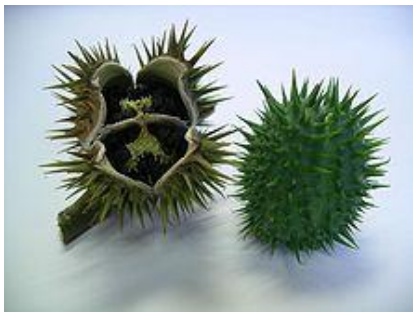

22 / 340

सुमारः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्,आ की मात्रा के साथ मीनम्,रज्जुः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सुमारः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अच्छा धतूरा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, fish sign with vowel aa ,rope sign ending with jar sign create word sumarah which mean “good thorn apple” in samskrita.

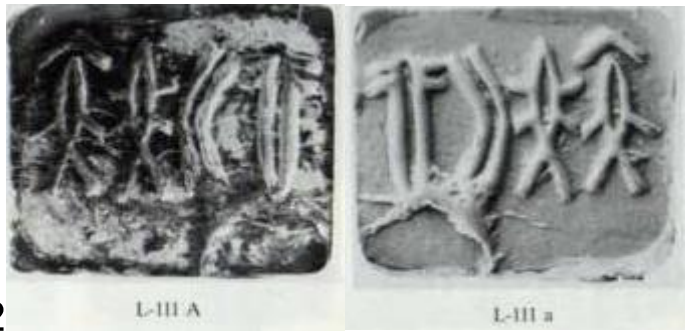

23 / 292 मि मारः

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ मीनम् आ की मात्रा कें साथ मीनम् , रज्जुः के चित्रलेख अन्त में हंडिकाः से मि मारः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ धतूरे की प्रत्यक्ष तौल से है।

This seal from Lothal reads as fish sign with vowel i,fish sign with vowel aa, rope sign ending with jar sign create word mi marah which means “measures of thorn apple” in samskrita.

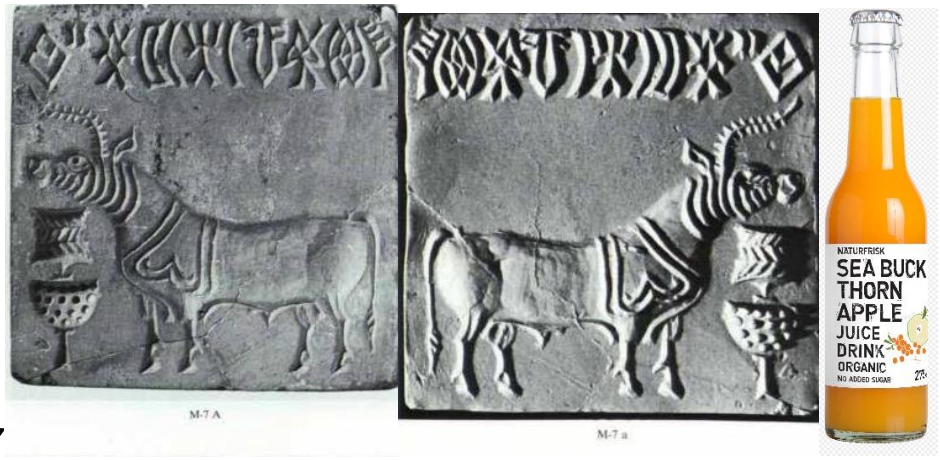

24 / 87

सूमाराकाः पि छाय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की स्वरलिपि के साथ संबाधम् के चित्रलेख , आ की स्वरलिपि के साथ मीनं का चित्रलेख, आ की

स्वरलिपि के साथ रज्जुः के चित्रलेख, रज्जुः के चित्रलेख के मध्य आ की स्वरलिपि के साथ कलेवरम् के चित्रलेंख अन्त में विसर्ग के लिये हंडिका का चित्रलेख मिलकर सूमारार्काः ततपश्चात इ की मात्रा के साथ पर्णः, आ की मात्रा के साथ छत्राकम्, अन्त में यज्ञीयः से पि छाय शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है अच्छी श्रेणी का धतूरे का रस पी कर भ्रम का आनन्द।

This seal from Mohan Jo Daro reads vulva sign sambadham with vowel u, fish sign meenam with vowel aa, rope sign rajjuh with vowel aa, human sign kalevarm with vowel aa inside rope sign rajjuh ending in jar sign handikah followed by leaf sign with vowel i, mushroom sign with vowel aa, trident sign creating words sumararkah pi chhay which in samskrit mean good quality juice of dhatura which gives good illusion or kick.

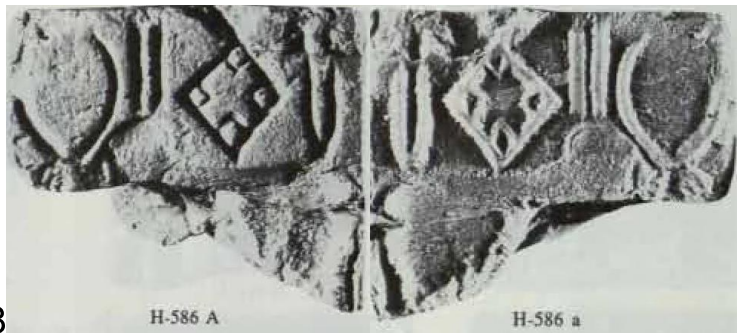

रसह

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में रज्जुः स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः से रसः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है मदिरा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as rope sign swastikah ending with jar sign create word rasah which means “liquor ” in samskrita.

26 / 554 किऐरिय

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ कलेवरम् , एषणः, इ की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में यज्ञीयः के चित्रलेख मिलकर किऐरिय (कितः, चिकित्सा+ऐरिय,मदिरा) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अन्न जनित मदिरा से चिकित्सा यथा व्हिस्की।

This seal from Mohan Jo Daro reads as human sign with vowel i, arrow sign, rope sign with vowel i , ending with trident sign create word kiaeriy which mean “treatment with liquor made of grains like whisky” in samskrita

27 / 555 शमिमारः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में शंखम्, इ की मात्रा के साथ मीनम् , आ की मात्रा के साथ मीनम्, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शमिमारः (शमि, शमनकर्ता+मारः,काम) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कामजयी यथा शिव।

This seal from Mohan Jo Daro reads as conch sign, fish sign with vowel i, fish sign with vowel aa , rope sign ending with jar sign create word shamimarah which mean "control over lust" in samskrita.

28 / 562 णिरुईमे

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ ण् , उ की मात्रा के साथ रज्जुः अन्त में ई के चित्रलेख के मध्य ए की मात्रा के साथ मीनम् के चित्रलेख मिलकर णिरुईमे (णि, निषेध+ रु,शोर करना+ईमे,यहां) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है इस स्थान पर चीखना मना है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for na with vowel i, rope sign with vowel u, ending with fish sign with vowel e amidst hieroglyph for ee create word niruime which mean "no noise here" in samskrita.

29 / 564 चपप्शन्न

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में चन्द्रकः, पर्णम् द्वय, शकटारिः अन्त में निर्दात्रं द्वय के चित्रलेख मिलकर चपप्शन्न (चप, पीसकर +प्स,खाना+अन्न,अनाज) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अनाज पीस कर खाना ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah, double leaf sign, wheel sign ending with double rake sign create word chappshanna which mean "grains eaten after grinding" in samskrita.

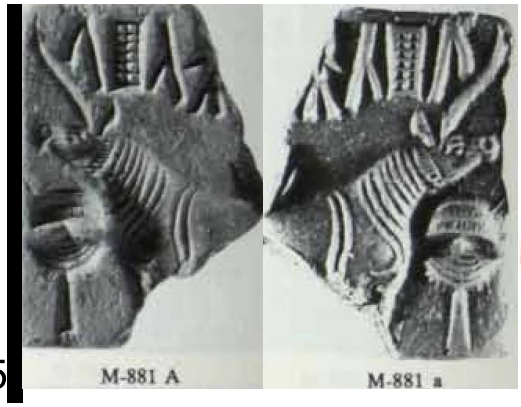

30 / 375

गवरीम

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में गिरिः, आयताकार व्यजः,इ की मात्रा के साथ रज्जुः, अन्त में मीनम् के चित्रलेख मिलकर गवरीम शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है गोरोचन या हल्दी ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hill sign, rectangular fan sign, rope sign with vowel i, ending with fish sign create word " gavarim" which mean "turmeric or gorochan" in samskrita.

31/19

चिहेर

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह त्रयाक्षरी मुद्रा इ की मात्रा के साथ चन्द्रकः के चित्रलेख से च ए की मात्रा के साथ हंडिकाः , अन्त में रज्जु के लिये दो समानान्तर खड़ी रेखाओं से र को मिलाकर चिहेर (चि+हेरम्) का संस्कृत में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This tri syllabic seal reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel e, ending with rope sign create word chiher which means as pile of turmeric.

32/ 335 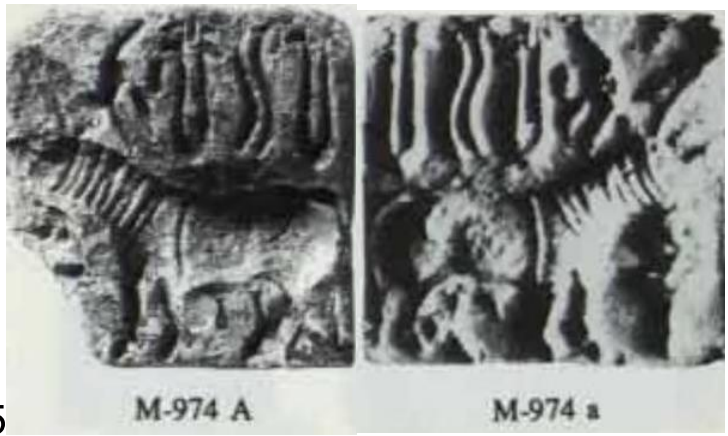

चिहेरः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ चन्द्रकः,ए की मात्रा के साथ हंडिकाः, रज्जुः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर चिहेरः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है हल्दी का ढेर।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for chandrakah with vowel i, jar sign with vowel u , rope

sign ending with jar sign create word chiherah which mean “pile of turmeric” in samskrita.

33 / 600

सरेभूः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में स्वास्तिकः, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , उ की मात्रा के साथ भस्त्रिः, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सरेभूः (सरः, नमक+भूः, भूमि) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है ज़मीनी नमक या सेंधा नमक।

This seal from Harappa reads as swastikah, rope sign with vowel e, bellow sign with vowel u, ending with jar sign create word sarebhuh which mean “ rock salt” in samskrita.

34/37

सूमः

लोथल से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम् के चित्रलेख के पश्चात मीनम् एवं हंडिका के चित्रलेख मिलकर सूमः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत में अर्थ दुग्ध अथवा जल होता है।

This seal from Lothal reads vulva sign with vowel u, fish sign, ending with jar sign creates word sumah meaning milk in samskrita.

35 / 284

उधिषी

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उर्णनाभः,इ की मात्रा के साथ धन्वः अन्त में इ की मात्रा के साथ संवरणम् से उधिषी शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ दुधारु पशु या गाय है।

This seal from Harappa reads as crab sign ,bow sign with vowel i ,mask sign with vowel i create word udhishi which means " milk producing animal or cow" in samskrita

36 / 368 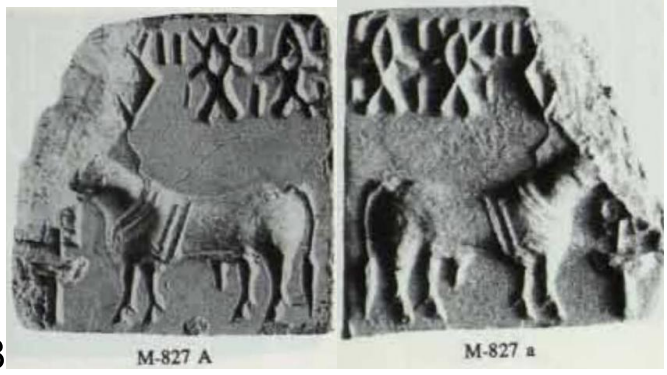

सूमाइम

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्, ई के चित्रलेख के मध्य मीनम् मिलकर सूमाइम शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है यह दुग्ध ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, fish sign with vowel aa, fish sign amidst hieroglyph for ee create word “suma eem” which mean “ this milk” in samskrita

37 / 372

सूममयत्रए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ सम्बाधम्, मीनम् द्वय, यज्ञीयः, तीन खड़ी रेखायें, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर सूममयत्रए शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुधारू पशुओं की रक्षार्थ ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u, double fish sign, trident sign , three vertical lines, ending with arrow sign create word “ summaytrae” which mean “savior to milk animals” in samskrita.

38/84 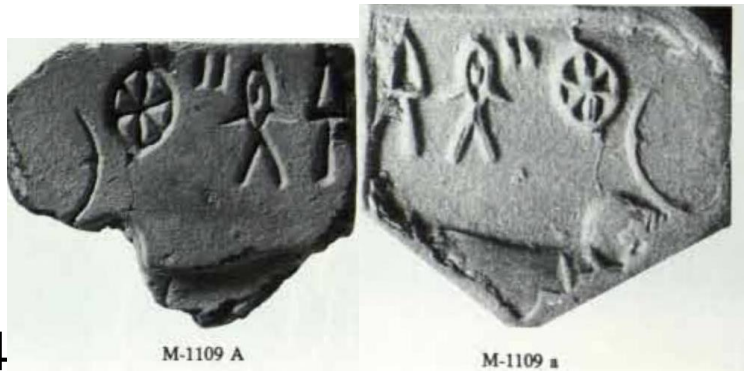

शूमए

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह मुद्रा शकटारिः(पहिये) के साथ उ की स्वरलिपि दो छोटी खड़ी रेखायें सू मत्स्य से म तथा एषणः से ए को मिलाकर शूमए शब्द का निर्माण करता है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है जल अथवा दुग्ध। यह सम्भवतः दुग्ध व्यापार की मुद्रा थी।

This seal from Mohan Jo Daro reads wheel sign with two short lines for vowel u followed by fish sign meenam ending in arrow sign eshanah jointly reads as sumae with samskrit meaning water or milk.

39/85

सूमए

(जल या दुग्ध)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त यह मुद्रा संबाधम्(योनि) के साथ उ की स्वरलिपि दो छोटी खड़ी रेखायें सू मत्स्य से म तथा एषणः से ए को

मिलाकर सूमए (जल या दुग्ध) शब्द का निर्माण करता है। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ होता है जल अथवा दुग्ध। यह सम्भवतः दुग्ध व्यापार की मुद्रा थी।

This seal from Mohan Jo Daro reads sambadham with two short lines for vowel u followed by meenam ending in eshanah jointly reads as sumae with samskrit meaning water or milk.

40 / 275

सूम मा काः

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा संग सम्बाधम्, मीनम्, आ की मात्रा के साथ मीनम्,आ की मात्रा के साथ कलेवरं अन्त में हंडिकाः से सूम मा काः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्ध का माप क्या है।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,fish sign, fish sign wth vowel aa, human sign with vowel aa ending with jar sign create word sum ma kah which means " what is measure of milk" in samskrita.

41 / 404

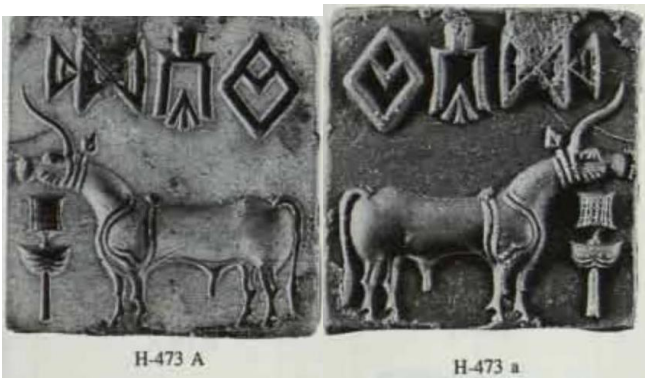

पयस

दुग्ध

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में पुष्कलकः, यज्ञः, सम्बाधम् के चित्रलेख मिलकर पयस शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है दुग्ध ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wedge sign , hieroglyph for yajnah , vulva sign create word “payas ” which mean “milk” in samskrita.

42 / 235

शूमावार्षः

(वार्षिक दुग्ध उत्पादन)

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, आ की मात्रा के साथ मीनम्, आ की मात्रा के साथ व्यजः, रज्जुः के मध्य सरण्डः, हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर शूमावार्षः शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है वार्षिक दुग्ध उत्पादन।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, fish sign with vowel aa, fan sign with vowel aa, hieroglyph for sarandah amidst rope sign, jar sign create word shumavarshah which means “annual milk production” in samskrita.

43/167

सूश्यठे

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा संग सम्बाधम्, शंखम्, यज्ञीयः, ए की मात्रा के साथ ठालिनीं से सूश्यठे निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है भलीभंति चिपका हुआ।

This seal from Mohan Jo Daro reads as vulva sign with vowel u,conch sign, trident sign waistbelt sign with vowel e create word sushyathe which means "well glued" in samskrita.

44 / 601

सिरेवृण्सह

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ संवरणम्, ए की मात्रा के साथ रज्जुः , वृश्चिकः, ण का चित्रलेख, स्वास्तिकः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर सिरेवृण्सः (सिरः, पीपलामूल की जड़+वृण, उपभोग+सह, साथ) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है पिप्पलामूल की जड़ के साथ उपभोग करें।

This seal from Harappa reads as mask sign with vowel i, rope sign with vowel e, scorpion sign hieroglyph for na, swastikah , ending with jar sign create word sirevrinsah which mean “ use with long pepper root” in samskrita.

45 / 580 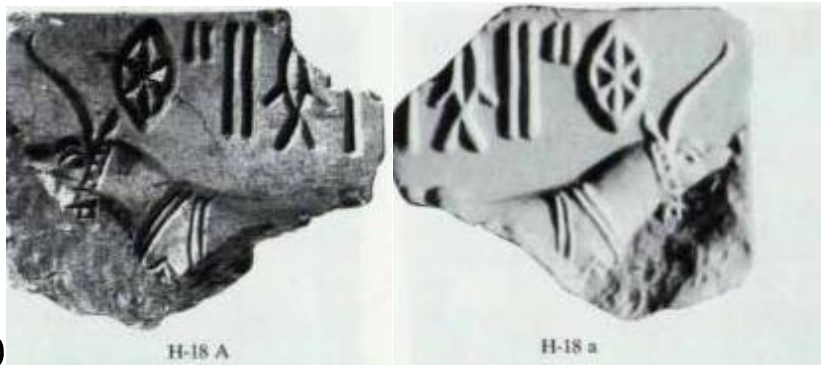

शरमए

जल

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में उ की मात्रा के साथ शकटारिः, रज्जुः, मीनम्, अन्त में एषणः के चित्रलेख मिलकर शरमए (शरम,जल) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है जल द्वारा।

This seal from Mohan Jo Daro reads as wheel sign with vowel u, rope sign, fish sign, ending with arrow sign create word sharamae which mean “with water” in samskrita.

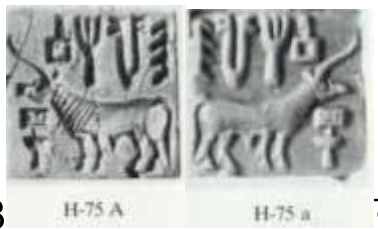

46 / 608 वयहन

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में व्यजः यज्ञीयः अन्त में हंडिकाः के बाद निर्दात्रं के चित्रलेख मिलकर वयहन (वयः, आयु+अन्, वशात) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है आयु के कारण।

This seal from Harappa reads as fan sign, trident sign ending with jar sign and rake sign create word vayahan which mean " age factor" in samskrita.

47 / 589

ऋकहुमओमः

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में इ की मात्रा के साथ रज्जुः संग कलेवरम्, उ की मात्रा के साथ हंडिकाः, मीनम्, ओमः अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर ऋकहुमओमः (ऋक, घायल होने पर+हुम, याद करें+ओमः, ईश्वर के नाम को) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है घायल होने पर ईश्वर को याद करें।

This seal from Harappa reads as rope sign with vowel i, human sign, jar sign with vowel u, fish sign, hieroglyph for omah, ending with jar sign create word rikhumomah which mean " pray God whilst injured" in samskrita.

48 / 590 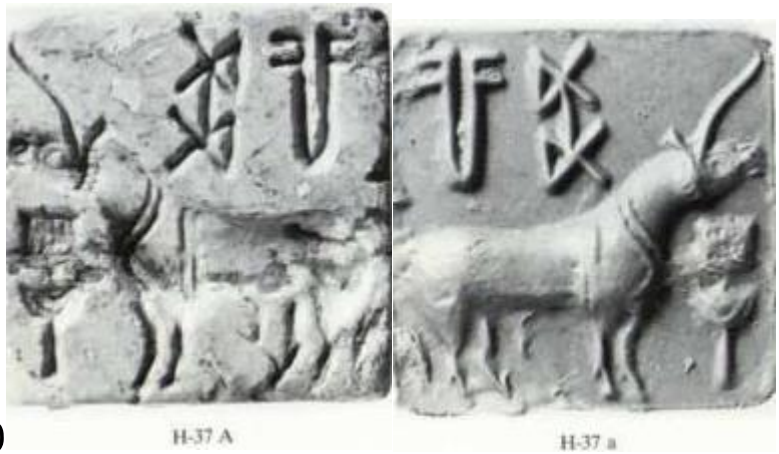

आह

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में अंकुशः द्वय, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर आह (आह, कथन) शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है कथन।

This seal from Harappa reads as double goad sign ending with jar sign create word aah which mean "saying" in samskrita.

49/238

तयवहण्ट

हड़प्पा से प्राप्त इस मुद्रा में तुलाधरः,यज्ञीयः,व्यजः,हंडिकाः ण के चित्रलेख के अन्त में टंकः के चित्रलेख से मिलकर तय वहण्ट (तय, रक्षा करना+वहण्ट, शिशु) शब्द निर्मित करते हैं जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है शिशु की रक्षार्थ है।जैसा कि चित्र में चित्रित है।

This seal from Harappa reads as bearer sign, trident sign, fan sign, jar sign, hieroglyph for na , ending with axe sign create word tayavahant which means “protection of neonate” in samskrita. As depicted in picture of a mother delivering child.

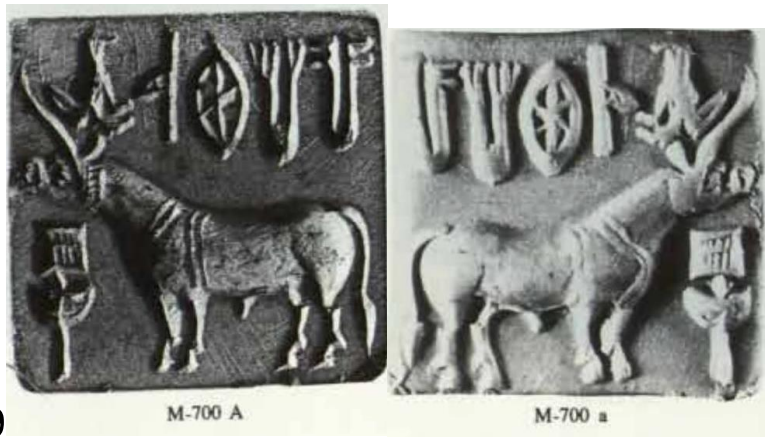

50 / 359

कटशय्यः

अरथी / शववाहन

मोहन जो दड़ो से प्राप्त इस मुद्रा में कुक्कुटः, टंकः,शकटारिः, यज्ञीयः द्वय, अन्त में हंडिकाः के चित्रलेख मिलकर कटशय्यः शब्द निर्मित करते हैं। जिसका संस्कृत भाषा में अर्थ है अरथी या शववाहिका।

This seal from Mohan Jo Daro reads as hieroglyph for hen, axe sign , wheel sign , double trident sign, ending with jar sign create word “ kat shayyah” which mean “hearse van” in samskrita.